तापमान

भोपाल	24.0°	28.0°
इंदौर	24.0°	28.0°
जबलपुर	26.0°	32.0°
ग्वालियर	26.0°	29.0°
सागर	23.0°	29.0°

नईदुनिया

वर्ष- 80
(भोपाल: वर्ष 41 अंक 252, पृष्ठ 12)
श्रावण, कृष्ण एकादशी संवत् 2083
सोमवार, 10 अगस्त 2026
कीमत: 3:00 रुपये

www.naiduniaonline.com | भोपाल संस्करण | भोपाल एवं सागर से एकसाथ प्रकाशित

राजधानी... अगले सीजन से दिन में 10 घंटे बिजली मिलेगी...

व्यापार... सर्राफा बाजार में तेजी जारी, सोना और चांदी की बढ़ी ...

खेल... अश्मिता चालीहा ने कोरिया मास्टर्स अपने नाम ...

देश-विदेश... भारतीय मूल की महिला पर वीजा फ्राड के आरोप...

कॉमनवेल्थ गेम्स के पदक विजेताओं से प्रधानमंत्री ने की मुलाकात

जो खेलेगा, वो खिलेगा: मोदी

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में पदक जीतने वाले भारतीय खिलाड़ियों से मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने खिलाड़ियों के साथ मुलाकात की 32 सेकंड की रील भी साझा की। इसमें वह स्वर्ण पदक विजेता मुक्केबाज साक्षी चौधरी सहित अन्य खिलाड़ियों के साथ नजर आए। प्रधानमंत्री ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा, 'जो खेलेगा, वो खिलेगा।' कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत ने कुल 39 पदक जीते। इनमें 13 स्वर्ण, 17 रजत और 9 कांस्य पदक शामिल रहे। भारत पदक तालिका में चौथे स्थान पर रहा। भारत के प्रदर्शन में मुक्केबाजी का सबसे बड़ा योगदान रहा। भारतीय मुक्केबाजों ने 7 स्वर्ण और 3 रजत समेत कुल 10 पदक जीते। इस तरह भारत के कुल पदकों में करीब एक चौथाई पदक मुक्केबाजी से आए। एथलेटिक्स में भारतीय खिलाड़ियों ने कुल 10 पदक जीते, हालांकि इनमें कोई स्वर्ण पदक शामिल नहीं रहा। भारोत्तोलन में भारत को 8 पदक मिले। पैरा एथलेटिक्स में 6, जूडो में 4 और पैरा पावरलिफ्टिंग में एक पदक हासिल हुआ। इस तरह भारत के कुल 39 पदकों में से 37 पदक केवल पांच खेलों से आए। मुक्केबाजी, एथलेटिक्स, भारोत्तोलन, पैरा एथलेटिक्स और जूडो भारतीय दल के प्रदर्शन में प्रमुख रहे। खिलाड़ियों के साथ साझा की गई रील में प्रधानमंत्री ने खेलों में भागीदारी और खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना की।

देशवासियों से हर घर तिरंगा अभियान में शामिल होने की अपील

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को देशवासियों से हर घर तिरंगा अभियान में उत्साह के साथ शामिल होने की अपील की। उन्होंने कहा कि भारत का तिरंगा देश का गौरव है और हमेशा राष्ट्र के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने की प्रेरणा देता है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि नागरिक हर घर तिरंगा अभियान में उत्साहपूर्वक भाग लें और विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने के सामूहिक संकल्प को फिर मजबूत करें। हर घर तिरंगा अभियान की शुरुआत 2022 में आजादी का अमृत महोत्सव के तहत हुई थी। इसके बाद यह हर वर्ष आयोजित होने वाला राष्ट्रीय अभियान बन गया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशभर में करोड़ों नागरिक अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराते हैं।

मोदी ने वेंस से फोन पर की बात

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार रात अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से फोन पर बातचीत की। दोनों नेताओं ने भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी। उन्होंने वेंस को बेटे के जन्म पर बधाई और शुभकामनाएं भी दीं। वेंस 19 जुलाई को चौथी बार पिता बने थे।

मुख्यमंत्री ने किया हर घर तिरंगा अभियान का शुभारंभ

- **टी.टी. नगर स्टेडियम से शुरू हुई यात्रा में स्कूली बच्चे, एनसीसी कैडेट्स और नागरिक हुए शामिल**

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को टी.टी. नगर स्थित तात्या टोपे स्टेडियम से हर घर तिरंगा अभियान-तिरंगा यात्रा का शुभारंभ किया। इससे पहले उन्होंने मुख्यमंत्री निवास पर तिरंगा लगाया और स्टॉफ के साथ तिरंगा लेकर समत्व भवन तक पहुंचे। इसके बाद मोटरसाइकिल से स्टेडियम पहुंचकर तिरंगा यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

तिरंगा यात्रा में बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे, एनसीसी कैडेट्स, स्वयंसेवी संगठनों के सदस्य, वरिष्ठ नागरिक, व्यापारी और स्थानीय नागरिक शामिल हुए। यात्रा स्टेडियम से महाराणा प्रताप लोक, टीन शेड और सांदीपनि विद्यालय होते हुए न्यू मार्केट, रोशनपुरा और पॉलिटेक्निक चौराहे से मुख्यमंत्री निवास पहुंची। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर देशभक्ति धुनों के बीच मुख्यमंत्री का पुष्पवर्षा से स्वागत किया गया। मोटरसाइकिल पर तिरंगा लेकर पहुंचे मुख्यमंत्री को देखकर विद्यार्थियों में उत्साह नजर आया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष और बलिदान को स्मरण करने का अवसर है। अभियान 9 से 14 अगस्त तक चलेगा। प्रदेश के गांवों, वार्डों और कस्बों में तिरंगा यात्राएं निकाली जाएंगी। उन्होंने बताया कि भोपाल को कोलकाता और पटना से नई एयर कनेक्टिविटी मिली है। भोपाल से रीवा होते हुए कोलकाता और भोपाल से सीधे पटना के लिए उड़ान शुरू होगी।

खास-खबरें

जेन-जी को भटकाने की कोशिश हुई: प्रधान

नईदुनिया ब्यूरो, भुवनेश्वर: पूर्व शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पहली बार अपने इस्तीफे पर बयान देते हुए कहा कि जेन-जी को भटकाने की कोशिश की गई। उन्होंने कहा कि युवा देश के बच्चे हैं और उनकी आकांक्षाओं के सामने शिक्षा मंत्री की जिम्मेदारियां छोटी हैं। पद उनके लिए जरूरी नहीं था। प्रधान ने बताया कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से चर्चा करने के बाद ही पद छोड़ा। प्रधान ने शनिवार को भुवनेश्वर की जीएम यूनिवर्सिटी के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही।

ममता बनर्जी की गाड़ी पर फेंके पत्थर

नईदुनिया ब्यूरो, कोलकाता: पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को आरोप लगाया कि बिजपुर के पास उनकी गाड़ी पर बड़े पत्थर और जूते फेंके गए। उन्होंने कहा कि पुलिस के सामने भीड़ ने उनका काफिला रोक लिया और गाड़ी पर मिट्टी तथा कीचड़ भी लगाया। ममता के मुताबिक, यदि कार की खिड़की खुली होती तो पत्थर लगने से उनका सिर चकनाचूर हो सकता था और उनकी जान भी जा सकती थी। ममता उत्तर 24 परगना जिले में एक टीएमसी कार्यकर्ता की मौत के बाद उसके परिवार से मिलने जा रही थीं।

8वें वेतन आयोग में कर्मचारियों की पांच बड़ी मांगें

न्यूनतम बेसिक 69 हजार और हर साल 6% वेतन बढ़ोतरी हो

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: 8वें वेतन आयोग को लेकर सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों की मांगें सामने आने लगी हैं। आयोग कर्मचारियों और पेंशन संगठनों के साथ लगातार बैठकें कर रहा है। इन बैठकों में वेतन, पेंशन, छुट्टी, भत्ते, हाउस रेंट अलाउंस और फिटमेंट फैक्टर सहित कई मुद्दों पर सुझाव दिए गए हैं। इन्हीं मांगों के आधार पर आयोग अपनी रिपोर्ट तैयार कर सरकार को सौंपेगा। रिपोर्ट पर कैबिनेट की मंजूरी के बाद इसे लागू करने के लिए नियम बनाए जाएंगे।

कर्मचारी संगठनों की प्रमुख मांगों में न्यूनतम बेसिक वेतन बढ़ाना शामिल है। नेशनल काउंसिल-ज्वाइंट कंसल्टेटिव मशीनरी ने न्यूनतम बेसिक वेतन 18 हजार रुपये से बढ़ाकर 69 हजार रुपये करने की मांग रखी है। इसके लिए महंगाई और परिवार की जरूरतों को आधार बनाया गया है।दूसरी बड़ी मांग फिटमेंट फैक्टर को लेकर है। कर्मचारियों की मांग है कि इसे बढ़ाकर 3.83 किया जाए। फिटमेंट फैक्टर के आधार पर ही बेसिक वेतन में बढ़ोतरी तय होती है। 3.83 का फिटमेंट फैक्टर होने पर न्यूनतम बेसिक वेतन 69 हजार रुपये तक पहुंचने की संभावना होगी। तीसरी मांग हर साल वेतन में 6 प्रतिशत बढ़ोतरी की है। कर्मचारी संगठनों का कहना है कि नियमित वेतन वृद्धि से महंगाई के प्रभाव को कम करने में मदद मिलेगी।

चौथी प्रमुख मांग पुरानी पेंशन योजना बहाल करने की है। कर्मचारी संगठन सेवानिवृत्ति के बाद अधिक निश्चित पेंशन सुरक्षा के लिए पुरानी पेंशन व्यवस्था लागू करने की मांग कर रहे हैं। पांचवीं मांग हाउस रेंट अलाउंस और अन्य भत्तों में बढ़ोतरी से जुड़ी है। न्यूनतम एचआरए स्लैब को 30 प्रतिशत करने के साथ परिवार की गणना, पदोन्नति और पेंशन से जुड़े नियमों में बदलाव की मांग भी रखी गई है। 8वें वेतन आयोग के 2027 के अंत में लागू होने की स्थिति में भी इसका प्रभाव जनवरी 2026 से माना जा सकता है।

जयपुर के निचले इलाकों में 3 से 4 फीट पानी भरा, डिंडौरी में छह घंटे में छह इंच बारिश

कई राज्यों में मूसलधार बारिश से सड़कें डूबीं

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: देश के कई राज्यों में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से जनजीवन प्रभावित हुआ है। राजस्थान के जयपुर सहित कई शहरों में सड़कों और कॉलोनियों में पानी भर गया। मध्य प्रदेश के डिंडौरी में नर्मदा नदी का पानी पुल के ऊपर से बहने लगा, जबकि दिल्ली में अगस्त के शुरुआती आठ दिनों में ही महीनेभर की सामान्य बारिश का आंकड़ा पार हो गया। जयपुर में रविवार सुबह छह से नौ बजे तक लगातार बारिश हुई। इसके कारण निचले इलाकों में सड़कों पर तीन से चार फीट तक पानी भर गया और कई घरों में भी पानी घुस गया। चूरू में भी बारिश के कारण कई कॉलोनियां जलमग्न हो गईं। मध्य प्रदेश के डिंडौरी में शनिवार रात नौ बजे से रविवार सुबह छह बजे तक करीब छह इंच बारिश दर्ज की गई। लगातार बारिश के बाद नर्मदा नदी का जलस्तर बढ़ गया और नदी पर बने पुल के ऊपर से पानी बहने लगा। दिल्ली में पिछले आठ दिनों के दौरान महीनेभर की सामान्य बारिश हो चुकी है। अगस्त के शुरुआती आठ दिनों में दिल्ली में 230.1 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जबकि पूरे अगस्त की सामान्य औसत बारिश 226.8 मिलीमीटर है। इस तरह महीने की सामान्य बारिश का आंकड़ा शुरुआती आठ दिनों में ही पार हो गया। अगस्त में वर्ष 2024 के बाद यह सबसे अधिक बारिश बताई गई है।

ईरानी सुप्रीम लीडर मुजतबा पहली बार वीडियो में नजर आए

- **सेहत को लेकर उठ रहे सवालों के बीच दिखे सामान्य**

तेहरान, एजेंसी: ईरान के नए सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई का जंग के बाद पहली बार वीडियो सामने आया है। ईरानी न्यूज एजेंसी मेहर की ओर से जारी वीडियो में मुजतबा जमीन पर बैठे लोगों के बीच उनसे बातचीत करते नजर आ रहे हैं। सुप्रीम लीडर बनने के बाद सार्वजनिक रूप से सामने आने का यह उनका पहला वीडियो बताया जा रहा है।

हालांकि, वीडियो कब रिकॉर्ड किया गया, इसकी जानकारी नहीं दी गई है। पिछले कुछ दिनों से मुजतबा खामेनेई की सेहत को लेकर कई तरह के दावे किए जा रहे थे। इजराइली चैनल 14 ने उनकी हालत गंभीर होने और अस्पताल में भर्ती होने का दावा किया था। उनकी जल्द मौत होने की बात भी कही गई थी। वीडियो सामने आने के बाद इन दावों पर सवाल उठे हैं। मुजतबा की मौजूदा सेहत को लेकर पूरी तस्वीर अभी स्पष्ट नहीं है। इससे पहले सऊदी मीडिया अल-हदथ ने इजराइली सुरक्षा सूत्र के हवाले से दावा किया था कि मुजतबा ईरान में मौजूद नहीं थे। मुजतबा के नाम से जारी सरकारी संदेश इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के प्रमुख अहमद वाहिदी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी तैयार कर रहे थे। सुप्रीम लीडर बनने के बाद मुजतबा सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आए थे और उन्होंने कोई भाषण भी नहीं दिया था।

रनवे से फिसला ट्रेनर प्लेन, पायलट सुरक्षित

नईदुनिया ब्यूरो, पुणे: महाराष्ट्र के बारामती एयरफील्ड पर रविवार को ट्रेनिंग एक्सरसाइज के दौरान एक ट्रेनर प्लेन रनवे से फिसल गया। विमान में कैप्टन चिराग शशिकांत डोइफोडे और कैडेट अभिजीत जूंद्रे सवार थे। दोनों सुरक्षित हैं और किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। विमान के क्रैश होने की खबरें सामने आईं, लेकिन बारामती विधायक और डिप्टी सीएम सुनेत्रा पवार ने इसे खारिज किया।

कार ने 4 कांवड़ियों को कुचला, 3 की मौत

नईदुनिया ब्यूरो, फतेहगढ़ साहिब: पंजाब के फतेहगढ़ साहिब में सरहिंद-मंडी गोबिंदगढ़ के बीच शनिवार देर रात तेज रफ्तार कार ने चार कांवड़ियों को कुचल दिया। हादसे में तीन कांवड़ियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक गंभीर घायल है। सभी गंगोत्री से गंगाजल लेकर फरीदकोट लौट रहे थे। मृतकों की पहचान जगदीश मित्तल, महेंद्र पाल और दीपक कुमार के रूप में हुई है।

लेजर लाइट से पायलट का ध्यान भटका

नईदुनिया ब्यूरो, कोलकाता: कोलकाता एयरपोर्ट पर रविवार को लैंडिंग से पहले मलेशिया एयरलाइंस की फ्लाइट के पायलट का ध्यान लेजर बीम की वजह से भटक गया। कुआलालंपुर से 159 यात्रियों को लेकर आ रही फ्लाइट को रात 11.20 बजे लैंड करना था। रनवे से करीब 8 नॉटिकल मील दूर विमान के पहुंचने पर कॉकपिट की तरफ आती तेज लेजर बीम देखी। इसके बाद लैंडिंग में परेशानी हुई।

ट्रॉले ने वैन को मारी सामने से टक्कर, 6 दोस्तों की मौत

नईदुनिया ब्यूरो, बदनावर: धार जिले के बदनावर में रविवार दोपहर उज्जैन फोरलेन पर रॉन्ग साइड से आ रहे ट्रॉले ने वैन को सामने से टक्कर मार दी। हादसे में वैन सवार छह श्रद्धालुओं की मौके पर ही मौत हो गई। सभी गुजरात के वड़ोदरा के रहने वाले थे और उज्जैन से महाकाल दर्शन कर लौट रहे थे। टक्कर इतनी भीषण थी कि वैन बुरी तरह पिचक गई। शवों को ग्राइंडर से वाहन की बॉडी काटकर बाहर निकाला गया। हादसा पंचकवास गांव के पास हुआ। पुलिस और प्रशासन की टीम ने ग्रामीणों की मदद से शव बाहर निकाले। ट्रॉले का चालक मौके से फरार हो गया।

तैयारी | *राष्ट्रपति भवन के 'एट होम' समारोह में दिखेगी बस्तर से महेश्वर तक की कला...*

130 कलाकारों ने तैयार की स्वतंत्रता दिवस की निमंत्रण किट

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु द्वारा 15 अगस्त की शाम राष्ट्रपति भवन में आयोजित किए जाने वाले 'एट होम' समारोह की निमंत्रण किट खास होगी। इसे करीब 130 कारीगरों की टीम ने तीन महीने से अधिक समय में तैयार किया है। किट में छत्तीसगढ़, गोवा, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश की लोककला, परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को शामिल किया गया है।

राष्ट्रपति भवन के अधिकारियों और अहमदाबाद स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन (एनआईडी) की टीम ने किट का कॉन्सेप्ट तैयार किया। एनआईडी के निदेशक अशोक मंडल के अनुसार, किट तैयार करने वाली टीम में छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र के करीब 50 कारीगर शामिल रहे। इन कारीगरों ने एनआईडी के शिक्षकों, डिजाइनरों और छात्रों के साथ मिलकर काम किया।

किट में छत्तीसगढ़ की ढोकरा कास्टिंग और पिटवा शिल्प को स्थान दिया गया है। ढोकरा देश की प्राचीन धातु ढलाई परंपराओं में शामिल है। वहीं पिटवा शिल्प में कबाड़ लोहे को हाथ से आकार देकर मूर्तियां और रोजमर्रा की उपयोगी वस्तुएं तैयार की जाती हैं। किट के साथ लगी लोहे की घंटी भी बस्तर के आदिवासी लोहारों ने कबाड़ लोहे से हाथ से बनाई है।

गोवा की खजान भूमि को अज़ुलेजो टाइल पेंटिंग के माध्यम से दर्शाया गया है।

यह समुदायों द्वारा संरक्षित तटीय आर्द्रभूमि है, जिसका उपयोग धान की खेती, मछली पकड़ने और नमक बनाने में किया जाता है। महाराष्ट्र की वारली पेंटिंग में छत्रपति संभाजीनगर की खाम नदी के पुनर्जीवन को दिखाया गया है।

मध्य प्रदेश की भील चित्रकला के माध्यम से समुदायों की बीज बचाने की परंपरा को दर्शाया गया है। इसमें स्थानीय मौसम और खाद्य व्यवस्था के अनुकूल अनाज, दालों और सब्जियों की देसी किस्मों को संरक्षित करने की परंपरा दिखाई गई है।

समारोह में आने वाले मेहमानों के स्वागत के लिए विशेष महेश्वरी स्टोल भी तैयार किया गया है। इसे महेश्वर में रेशम और सूती धागों से पारंपरिक दोहरी बुनाई तकनीक से हाथ से बुना गया है। इसमें महाराष्ट्र की करवट काठी, गोवा की कुणबी, महेश्वरी और छत्तीसगढ़ की पनिका बुनाई परंपराओं के क्षेत्रीय डिजाइन शामिल किए गए हैं।